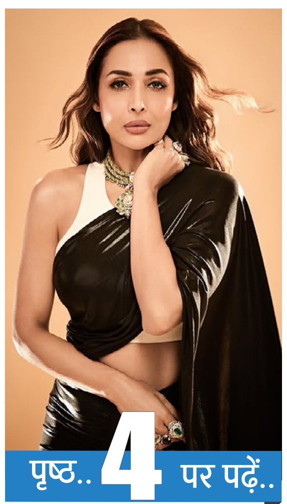

भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव पर भड़कीं मलाइका

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 44 ■ अंक : 125 ■ रविवार 26 जुलाई 2026 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

डेंगू-मलेरिया का खतरा बढ़ा

■ बदलते मौसम का सेहत पर असर

■ सर्दी, गले में खराश, खांसी के मरीज बढ़े

उल्हासनगर. जुलाई की शुरुआत में हुई भारी बारिश के बाद पिछले पांच-छह दिनों से हो रही भारी बारिश से ठाणे जिले का मौसम एकदम बदल गया है। कुछ दिनों की ठंड, उसके बाद अचानक गर्मी और उमस बढ़ने का सीधा असर लोगों की सेहत पर पड़ा है और जिले में सर्दी, गले में खराश, खांसी, बुखार और इंफेक्शन के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी की तस्वीर दिख रही है। डॉक्टरों ने बताया है कि ठाणे, कल्याण, डोंबिवली, उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापुर, भिवंडी समेत कई शहरों में प्राइवेट क्लीनिक और छोटे क्लीनिक में ऐसी शिकायतें लेकर आने वाले मरीजों की संख्या बढ़ी है।

जुलाई के पहले हफ्ते में जिले में हर जगह भारी बारिश हुई थी। लगातार कई दिनों तक हुई बारिश से माहौल में धुंध छा गई थी। हालांकि, बारिश में अचानक रुकावट के बाद दिन में गर्मी और उमस महसूस होने लगी, जबकि सुबह और रात में मौसम काफी ठंडा रहा। डॉक्टर ने कहा कि क्योंकि शरीर को इस लगातार बदलते मौसम के हिसाब से ढलने में समय लगता है, इसलिए इम्यून सिस्टम पर असर पड़ता है और इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है।

इस बैकग्राउंड में, मरीज गले में खराश, गले में खराश, सूखी या कफ वाली खांसी, छींक आना, बुखार, शरीर में दर्द और कमजोरी जैसी शिकायतों के साथ इलाज के लिए आ रहे हैं। डॉक्टरों ने कहा है कि ये शिकायतें बच्चों, सीनियर सिटिजन और दिन भर घर से बाहर रहने वाले लोगों में ज्यादा होती हैं।

ठंड के मौसम के बाद अचानक गर्मी और उमस बढ़ने से गले की म्यूकस मेम्ब्रेन पर असर पड़ता है। इससे गले में खराश, निगलने में दिक्कत, आवाज बैठना और खांसी होती है। इसके साथ ही, कम सोना, कम पानी पीना, कोल्ड ड्रिंक्स का ज़्यादा सेवन और AC से बार-बार बाहर निकलने से भी इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है।

पानी जमा होने से बढ़ा खतरा...

भारी बारिश के बाद कई इलाकों में पानी जमा हो गया है। कुछ दिन बारिश रुकने के बाद कई जगहों पर पानी जमा हो गया है, जिससे मच्छरों के पनपने के लिए अच्छी स्थिति बन गई है। जिला हेल्थ डिपार्टमेंट ने संभावना जताई है कि आने वाले दिनों में मच्छरों से होने वाली बीमारियों जैसे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया का खतरा बढ़ सकता है।

अपील

डॉक्टरों ने लोगों से कहा है कि वे खूब पानी पिएं, बैलेंस्ड डाइट लें, भीगने के तुरंत बाद सूखे कपड़े पहनें, ज्यादा ठंडी चीजें न खाएं और अगर बुखार या गले में खराश के लक्षण दो-तीन दिन से ज़्यादा रहें तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

सावधानी बरतें...

लोग अपने घरों के आस-पास, छतों पर, टायरों, कूलरों, फूलदानों, पानी की टंकियों या किसी और बर्तन में पानी जमा न होने दें। उस जगह को साफ रखें, मच्छरों से बचाने के लिए जरूरी कदम उठाएं और अगर बुखार, शरीर में दर्द या कोई और शक वाला लक्षण दिखे, तो हेल्थ डिपार्टमेंट ने तुरंत डॉक्टर से सलाह लेने की अपील की है।

आषाढ़ी एकादशी पर बिरला विट्ठल मंदिर में महाआरती

■ उद्योगपति महेश अग्रवाल ने सपत्निक की पूजा

उल्हासनगर. ठाणे जिले में प्रतिपंढरपुर के नाम से मशहूर शहाड बिरला विट्ठल मंदिर में आषाढ़ी एकादशी के मौके पर उद्योगपति महेश अग्रवाल ने सपत्निक पूजा की। इस मौके पर कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी ओ. आर. चितलांगे, अनिल व्यास वगैरह मौजूद थे।

उल्हासनगर के शहाड गांवठाण में मौजूद बिरला विट्ठल मंदिर ठाणे जिले में प्रतिपंढरपुर के नाम से जाना जाता है। आषाढ़ी एकादशी के मौके पर ठाणे के ग्रामीण इलाकों से सैकड़ों दिंडी मंदिर में आती हैं। बिरला विट्ठल मंदिर ट्रस्ट की तरफ से उद्योगपति महेश अग्रवाल द्वारा सपत्निक महापूजा करने के बाद, मंदिर को वारकरी के लिए खोल दिया गया। मंदिर में बड़ी संख्या में भक्त आए थे। शहर और ग्रामीण इलाकों से सैकड़ों दिंडी आईं और उनका सामाजिक संगठनों और अलग-अलग पार्टियों के पदाधिकारियों ने स्वागत किया। इस बीच, पुलिस कमिश्नर सचिन गोरे खुद मंदिर इलाके पर कड़ी नज़र रखे हुए थे और पुलिस की कड़ी मौजूदगी थी।

कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट, सेंचुरी रेयॉन, बी.के. बिड़ला कॉलेज, बी.के. बिड़ला रात्र कॉलेज, बी.के. बिड़ला पब्लिक स्कूल और सरला बिड़ला हाइ स्कूल ने मिलकर एक बड़ी ज्ञान दिंडी का आयोजन किया। यह दिंडी कल्याण के बी.के. बिड़ला कॉलेज से शुरू हुई और शहाड में श्री विठोबा-रुक्मिणी मंदिर में खत्म हुई। मंदिर प्रशासन ने भक्तों के लिए आसान दर्शन और दूसरी ज़रूरी सुविधाओं के लिए खास इंतज़ाम किए थे।

इस मौके पर उल्हासनगर मनपा आयुक्त मनीषा अव्हाले, MP कपिल पाटिल, MLA सुलभा गायकवाड़, प्रमोद हिंदुराव, KDMC महापौर हर्षाली चौधरी, राहुल दामले, KDMC कमिश्नर अभिनव गोयल, एडिशनल पुलिस कमिश्नर संजय जाधव, सेंचुरी रेयॉन यूनिट हेड दिग्विजय पांडे, श्रीकांत गोरे और दूसरे बड़े लोग मौजूद थे।

भक्तिमय हो गया पूरा इलाका

सुबह से ही मंदिर इलाके में भक्तों में बहुत जोश था। भजन-कीर्तन, मंत्रों के जाप और 'माऊली' के जाप से पूरा इलाका भक्तिमय हो गया। शहर के जाने-माने बिजनेसमैन, अलग-अलग पार्टियों के नेता और पदाधिकारी मौजूद थे। स्थानीय नागरिकों और अलग-अलग पार्टियों के पदाधिकारियों ने दिंडी लेकर आए नागरिकों और वारकरियों को पीने का पानी और नाश्ता दिया। मंदिर का इलाका विट्ठल भक्तों से भरा हुआ था। पुलिस का बंदोबस्त टाइट होने की वजह से कोई अनहोनी नहीं हुई।

डंपर-टू-व्हीलर एक्सीडेंट बाइक सवार की मौत

अंबरनाथ. शुक्रवार, 24 जुलाई की सुबह चिखलोली कोर्ट जाने वाली सड़क पर फॉरेस्ट नाका और टी सर्कल के बीच डंपर और बाइक के बीच हुए एक भयानक एक्सीडेंट में 55 साल के बाइक सवार मेहबूब गुलाब शेख (महादेव रेजीडेंसी, खुंटावली के रहने वाले) की मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, मेहबूब शेख शुक्रवार सुबह अपनी बाइक से फॉरेस्ट नाका से टी सर्कल जा रहे थे, तभी एक डंपर गाड़ी नंबर MH 05 EL 5984 और मृतक शेख की बाइक का एक्सीडेंट हो गया। इस एक्सीडेंट में उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही अंबरनाथ वेस्ट पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचनामा करके बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए हॉस्पिटल भेज दिया। इस मामले में अंबरनाथ वेस्ट पुलिस स्टेशन में डंपर ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर डंपर को जब्त कर लिया गया है। अंबरनाथ वेस्ट पुलिस हादसे की सही वजह जानने के लिए आगे की जांच कर रही है।

कल्याण में वालधुनी नाले में कार डूबी

कल्याण. दिनभर से हो रही लगातार बारिश के कारण नदी-नाले फिर से उफान पर आ गए हैं। कल्याण में वालधुनी एफ केबिन का नाला भी ओवरफ्लो हो गया। पानी का अनुमान न होने के कारण एक कार सीधे पानी में डूब गई। किस्मत से कार ड्राइवर बच गया। लोगों ने फायर डिपार्टमेंट को घटना की जानकारी दी। हालांकि, तब तक लोगों ने कार को बाहर निकाल लिया था।

स्टेशन एरिया में डेवलपमेंट को बढ़ावा मिलने का रास्ता साफ

■ उल्हासनगर स्टेशन के पास स्काईवॉक तोड़ा जाएगा

उल्हासनगर. रेलवे स्टेशन एरिया में डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के लिए जनरल मीटिंग में उल्हासनगर में खतरनाक हो चुके स्काईवॉक को हटाने का प्रस्ताव पास किया गया। इससे रेलवे स्टेशन एरिया में डेवलपमेंट को बढ़ावा मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

MMRDA ने 2008 में यह स्काईवॉक बनवाया था। लेकिन, जब इस स्काईवॉक की हालत खराब होने लगी, तो इस सामाजिक संस्था 'एक हाथ मदतीचा' के फाउंडर प्रेसिडेंट विजय कदम ने MMRDA का ध्यान इस ओर दिलाया। उस समय यह स्काईवॉक

उल्हासनगर मनपा को सौंप दिया गया था। हाल के दिनों में स्काईवॉक खतरनाक हो गया और कई हिस्सों में जंग लग गई। मोटी चादरें गिरने लगीं, जिससे रिक्शा चलाने वालों और लाइन में रिक्शा चलाने वाले यात्रियों की जान खतरे में पड़ गई। लोगों की जगह असामाजिक तत्वों ने स्काईवॉक का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। इसलिए, सदन के नेता और शिवसेना ग्रुप लीडर अरुण आशान, नगरसेवक शेखर यादव, सोनू चैनपुर, प्रदीप गोडसे, सूरज सोनकांबले, नगरसेवक, पूर्व मेयर लीलाबाई आशान, शिक्षा समिति की चेयरमैन साक्षी सुर्वे, जोत्सना जाधव, कांता पवार, इंदिरा पाटिल, काजल जग्यासी, संगीता सपकाल ने स्काईवॉक हटाने की मांग की। उन्होंने चेयरमैन कलवंतसिंह (बिट्टू) सोहता से इसके लिए तुरंत मंज़ूरी देने की रिक्वेस्ट की थी।

आम सभा में सदन के नेता और शिवसेना ग्रुप लीडर अरुण आशान ने उल्हासनगर पूर्व का स्काईवॉक हटाने की मांग की। उस समय शिवसेना के सीनियर नगरसेवक राजेंद्र चौधरी ने मंज़ूरी दी और मांग की कि पश्चिम का स्काईवॉक भी हटाया जाए क्योंकि पश्चिम में सैटिस प्रोजेक्ट और रेलवे लाइन बनेगी। इसलिए, आम सभा ने पूर्व और पश्चिम दोनों दिशाओं में स्काईवॉक बनाने की मंज़ूरी दे दी है।

स्टेशन एरिया में मिनी बसें चलने की संभावना

जब अरुण आशान से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह स्काईवॉक अब आम लोगों के लिए नहीं है, बल्कि इस पर असामाजिक तत्व बढ़ गए हैं। यह स्काईवॉक असल में रिक्शा वालों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है और भारी गाड़ियां अंदर नहीं जा सकतीं। इसलिए, जनरल असेंबली द्वारा इस स्काईवॉक को हटाने की मांग को मंजूरी देने से रेलवे स्टेशन एरिया में डेवलपमेंट का रास्ता साफ हो गया है। साथ ही, रिक्शा की लाइनें साफ-सुथरी और व्यवस्थित तरीके से दिखेंगी और रेलवे स्टेशन एरिया में मिनी बसें चलने की संभावना है।

भारी बारिश से विट्ठलवाड़ी में मकान गिरा

■ खुशकिस्मती से कोई हताहत नहीं

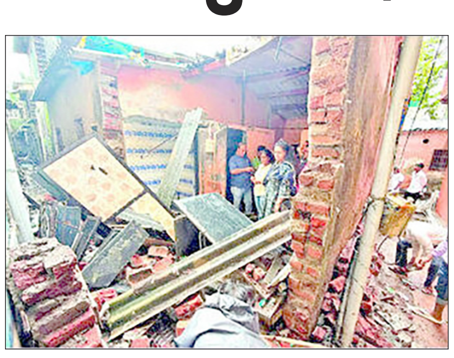

कल्याण. शुक्रवार सुबह एक दुखद घटना हुई जब विट्ठलवाड़ी में श्रीराम टॉकीज़ के पीछे सरगम गली इलाके में भारी बारिश की वजह से एक मकान का एक हिस्सा अचानक गिर गया। यह मकान साईकृपा चॉल में रहने वाले अशोक वाघमारे का है और खुशकिस्मती से, इस हादसे में किसी को चोट नहीं आई।

इस घटना की जानकारी मिलने पर कल्याण-डोंबिवली मनपा के वार्ड D के सहायक आयुक्त उमेश यमगर तुरंत मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। इस हादसे की वजह से वाघमारे परिवार को बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि प्रशासन उन्हें सरकारी नियमों के मुताबिक तुरंत आर्थिक मदद और दूसरी ज़रूरी पुनर्वास मदद दे। मानसून के दौरान, भारी बारिश की वजह से पुराने, टूटे-फूटे या खराब बने मकानों के गिरने की घटनाएं होती हैं। एक असरदार कदम के तौर पर, KDMC प्रशासन को मॉनसून से पहले चॉल समेत सभी खतरनाक और टूटी-फूटी बिल्डिंग्स का सर्वे करना चाहिए और वहां रहने वालों को तुरंत सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट करना चाहिए। लोकल लोगों ने यह भी कहा कि लोगों को समय-समय पर अपने घरों की मरम्मत करनी चाहिए, तुरंत इमरजेंसी सर्विस से कॉन्टैक्ट करना चाहिए और एडमिनिस्ट्रेशन को ऐसे आपदा पीड़ितों को तुरंत रिहैबिलिटेशन और फाइनेंशियल मदद भी देनी चाहिए।

उल्हास नदी में लड़का लापता

कल्याण. शुक्रवार सुबह मोहिली बल्यानी इलाके के आदिवासी गांव का यशवंत वाघे (16) उल्हास नदी के किनारे टहलने गया था। जब वह नदी के किनारे खड़ा था, तो नदी का बहाव अचानक बढ़ गया और यशवंत तेज बहाव में बह गया। नदी के किनारे टहल रहा यशवंत अचानक गायब हो गया, तो गांव के लोगों और उसके परिवार वालों ने नदी के इलाके में उसकी तलाश की। वह कहीं नहीं मिला। इसकी जानकारी तुरंत मनपा के फायर डिपार्टमेंट, डिजास्टर मैनेजमेंट डिपार्टमेंट को दी गई। यशवंत की तलाश के लिए उल्हास नदी में रेस्क्यू बोट उतारी। यह काम शुक्रवार को पूरे दिन चलता रहा।

तड़ीपार 4 आरोपी गिरफ्तार

■ झोन-4 पुलिस की कार्रवाई सेंट्रल पुलिस ने कार्रवाई

■ अलग-अलग स्थानों से आरोपी गिरफ्तारी

उल्हासनगर. उल्हासनगर झोन-4 पुलिस ने तड़ीपार आदेश का उल्लंघन करने वाले चार आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी प्रतिबंध के बावजूद झोन-4 की सीमा में पाए गए। उनके खिलाफ संबंधित पुलिस थानों में मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू

कर कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार हिललाइन पुलिस थाना क्षेत्र से तड़ीपार किए गए साहिल विनोद पाटिल (22) और राजकुमार कमलेश सरोज (25) को कैम्प-5 स्थित कैलाश कॉलोनी से गिरफ्तार किया गया। वहीं मध्यवर्ती पुलिस थाना क्षेत्र से तड़ीपार आरोपी जग्गी उर्फ जगदीश रामसिंग कुमावत (50) को मुकुंद नगर स्थित अशोक अनिल टॉकीज के पास पकड़ा गया। शिवाजी नगर पुलिस थाना क्षेत्र से तड़ीपार आरोपी विशाल राठौड़ को अंबरनाथ के नवरे नगर से गिरफ्तार किया गया।

सख्त निगरानी जारी

पुलिस ने बताया कि चारों आरोपी तड़ीपार आदेश के बावजूद प्रतिबंधित क्षेत्र में घूमते मिले, जिसके चलते उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया। अधिकारियों ने कहा कि जिले में अपराधियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और तड़ीपार आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अंबरनाथ नपा द्वारा जब्त किए गए फलों की चोरी

■ ये चोरी कर्मचारियों या सुरक्षा रक्षकों ने की है - विधवा महिला का आरोप

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद के कर्मचारियों एवं सुरक्षा रक्षकों द्वारा फेरीवालों पर कार्रवाई करने के बाद फल चोरी करने का गंभीर आरोप एक विधवा फल विक्रेता महिला ने लगाया है. इससे पूर्व भी ऐसा होता रहा है, लेकिन फेरीवाले, ठेलेवाले कार्रवाई के डर से आवाज नहीं उठा पा रहे थे. लेकिन ये धैर्य का बाण शुक्रवार को उस समय छूट गया जब एक विधवा महिला और कुछ फल विक्रेताओं का फल जब्त करके नपा के कर्मचारी नपा कार्यालय में ले आए. थोड़ी देर के बाद वह ये देखकर दंग रह गए कि उनके फलों पर किसी ने हाथ साफ कर लिया.

एक विधवा महिला ने रोष में आकर चिल्लाना शुरू कर दिया और नपा में हंगामा खड़ा कर दिया

कि उनके जब्त किए गए सेब, केला, अंजीर, ड्रैगन के हर कंटेनर में एवं बाक्स में आधे से ज्यादा गायब हो गए हैं. उन्होंने नपा कर्मचारी, सुरक्षा रक्षकों पर आरोप लगाया कि उन्होंने ये फल चोरी किए हैं. बाक्स को फाड़कर उसमें से सेब भी चोरी हो गए थे. महिला ने पत्रकारों को बताया कि हमारे जो हजारों रुपयों के फल चोरी हुए हैं, उसका पैसा कौन देगा. एक फल विक्रेता ने कहा कि अगर मुख्याधिकारी या अतिक्रमण विभाग के अधिकारी कार्यालय में लगे सीसीटीवी की जांच करेंगे, तो ये भेद खुलेगा. उन्होंने अधिकारी-कर्मचारी या सुरक्षा रक्षक पर कार्रवाई करने की मांग की है. ये सब हमेशा के लिए बंद होना चाहिए. इसके लिए फल या खाने-पीने की वस्तु को जब्त ना करने के लिए मुख्याधिकारी को आदेश जारी करने की जरूरत है.

साइबर क्राइम के शिकंजे में अंबरनाथ

■ लोग apk फाइल की चपेट में

■ apk फाइल डाउनलोड न करने की अपील

अंबरनाथ. अंबरनाथ शहर अब साइबर क्राइम के शिकंजे में जकड़ता जा रहा है. शहर मं कई लोगों के मोबाइल फोन वाट्सएप हैक करके apk फाइल भेजकर एवं गैस बिल अपडेट, शेयर मार्केट में भारी मुनाफे के नाम पर लोगों के बैंक एकाउंट खाली किए जा रहे हैं. और कानून उनके सामने हाथ बांधे खड़ा दिखाई दे रहा है. शहर में पूर्व नगरसेवकिका संघजा मेश्राम का फोन हैक करके शहर के कई लोगों को शादी कार्ड का एपीके फाइल भेजा गया. इससे पूर्व मुस्लिम समाज के जमील शेक खा भी इसी तरह मोबाइल हैक किया गया था और शनिवार को ये खबर आई है कि शहर पूर्व निवासी कुमार अहिरवार (63) जो कि सेवानिवृत्त हैं, उनको महानगर गैस बिल अपडेट.एपीके फाइल भेज कर उनके बैंक एकाउंट से 5 लाख 51 हजार 500 रुपए आनलाइन निकाल कर उनके साथ धोखाधड़ी की है. शिवाजी नगर पुलिस ने शिकायत दर्ज की है. अब हम सिर्फ ये लिख सकते हैं कि मामले की जांच पुलिस कर रही है. साइबर क्राइम से लूटी हुई रकम अंबरनाथ में किसी भी शिकायतकर्ता को वापस दिलाने में पुलिस नाकाम रही है. साइबर क्राइम करने वाले धड़ल्ले से लोगों के लाखों रुपयों पर आसानी से डल्ला मार रहे हैं. प्रशासन को इस ओर कोई सख्त कानून बनाने की जरूरत है. दो दिनों पूर्व शहर पश्चिम में एक रिटायर्ड व्यक्ति का पेंशन के नाम पर लाखों रुपये साइबर क्राइम वालों ने लूट लिया है. जीवन की सारी कमाई बेचारा गवां बैठा है.

प्रतिबंधित गुटखा की खेप जब्त

उल्हासनगर. सेंट्रल पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नाशिक से लाई जा रही प्रतिबंधित गुटखा और तंबाकू उत्पादों की खेप जब्त कर एक कार चालक को हिरासत में लिया है। मामले में तीन लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया SEIZED है, जबकि दो आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस के अनुसार कांस्टेबल अनिल घुले को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नाशिक से एर्टिगा कार (एमएच-02 डीजी-1286) में प्रतिबंधित गुटखा और तंबाकू उत्पादों की खेप खेमानी क्षेत्र लाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाकर वाहन को रोका और तलाशी के दौरान 78,384 रुपए मूल्य के प्रतिबंधित गुटखा व अन्य तंबाकू उत्पाद बरामद किए। कार चालक विशाल अंबोरे को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वहीं, इस प्रकरण में नामजद विनोद गंगवानी और प्रदीप जायसवाल की तलाश जारी है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास

संपादकीय

अनंतनाग हमला

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को समूल नष्ट करने का अभियान वर्षों से चलाया जा रहा है। मगर वहां अक्सर हो रहे आतंकी हमले सरकार के इस दावे को कमजोर साबित करते हैं कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद घाटी में पहले से कहीं अधिक शांति और विकास का माहौल बन गया है। जबकि आतंकवादी आज भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे।

राज्य में अनंतनाग के लाल चौक इलाके में बुधवार को अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों पर आतंकवादियों ने अचानक गोलीबारी की, जिसमें एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया। इस घटना से स्पष्ट है कि आज भी राज्य में आतंकवाद की धमक कायम है।

इससे पहले भी आतंकी हमलों में सेना और पुलिस के जवानों के शहीद होने की घटनाएं होती रही हैं। ऐसी हर घटना के बाद सरकार यह आश्वासन देती है कि आतंकवाद के खात्मे के लिए हर स्तर पर सख्ती बरती जाएगी। मगर कुछ समय के अंतराल पर फिर किसी आतंकी हमले में जवानों की शहादत की घटना सरकारी कवायदों की सच्चाई का बयान करती है।

अमूमन हर आतंकवादी हमले के बाद इलाके की घेराबंदी की जाती है, अतिरिक्त सुरक्षा बल मौके पर भेजे जाते हैं, लेकिन कुछ दिनों की शांति के बाद फिर किसी जगह आतंकी हमले की खबर आ जाती है। कहने को पहले की तुलना में आतंकवादी हिंसा और सीमापार से घुसपैठ में कमी आई है। मगर सच यह भी है कि आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाने और कई स्तरों पर सख्ती बरते जाने के बाद आतंकी अब घात लगाकर छोटे हमले करने लगे हैं। यह सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर राज्य में भय का वातावरण बनाए रखने की कोशिश है।

जाहिर है, आतंकी संगठनों की रणनीति में बदलाव आया है। इसी के मुताबिक भारतीय सुरक्षा बलों को भी इसका सामना करने के लिए नए तौर-तरीकों को प्राथमिकता देने की जरूरत है। इसके अलावा, सीमापार स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकी संगठनों के खिलाफ न केवल देश के भीतर मोर्चाबंदी की जरूरत है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस मुद्दे पर आम राय बनाने और आतंकवादियों को शह देने वाले देशों को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश भी होनी चाहिए।

विमर्श

नीतिगत विफलता हैं पेपरलीक के मामले

भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल रोजगार या उच्च शिक्षा में प्रवेश का माध्यम नहीं हैं, बल्कि करोड़ों युवाओं और उनके परिवारों की आकांक्षाओं का आधार हैं। एक छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम करता है, परिवार अपनी बचत को कोचिंग, पुस्तकों और रहने-खाने पर खर्च करता है और पूरा भविष्य एक परीक्षा पर टिका होता है।

ऐसे में जब प्रश्नपत्र लीक होने या परीक्षा में अनियमितताओं की खबर सामने आती है तो केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता कठघरे में खड़ी हो जाती है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने अनेक बड़े पेपरलीक और परीक्षा विवाद देखे हैं। राजस्थान की रीट, उत्तर प्रदेश की यूपीटेट, विभिन्न राज्यों की पुलिस एवं कर्मचारी चयन आयोगों की भर्ती परीक्षाएं, एसएससी से जुड़े विवाद, यूजीसी-नेट परीक्षा का रद होना तथा नीट पेपरलीक जैसी एक के बाद एक घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि समस्या किसी एक राज्य या संस्था तक सीमित नहीं है।

वस्तुतः पेपरलीक की समस्या राजनीतिक से कहीं अधिक नीतिगत और संरचनात्मक विफलता का परिणाम है। इसलिए इसका समाधान भी राजनीतिक नारों में नहीं, बल्कि व्यापक नीतिगत सुधारों में तलाशना होगा। नीट पेपरलीक की घटना केवल परीक्षा संचालन में हुई एक चूक नहीं है। जब तक इसके मूल कारण को नहीं समझा जाएगा, तब तक केवल सख्ती, गिरफ्तारी, प्रशासनिक कार्रवाई या एक मंत्री के इस्तीफे से समस्या पूरी तरह समाप्त

नहीं होगी। एक सामान्य मध्यमवर्गीय परिवार अपने बच्चे को डाक्टर बनाने के सपने के लिए वर्षों तक लाखों रुपये कोचिंग पर खर्च करता है।

अनेक परिवार अपनी क्षमता से कहीं अधिक आर्थिक बोझ उठाते हैं। जब सफलता की संभावना अत्यंत सीमित हो और प्रतिस्पर्धा अत्यधिक तीव्र हो, तब कुछ लोग गलत रास्तों की ओर भी आकर्षित हो जाते हैं। पेपरलीक और परीक्षा माफिया इसी विकृत व्यवस्था की उपज है। इसलिए इन घटनाओं को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानना पर्याप्त नहीं होगा। दरअसल यह समस्या उस शिक्षा व्यवस्था का परिणाम भी है, जिसमें मेडिकल प्रवेश परीक्षा धीरे-धीरे विद्यालयी शिक्षा से अलग एक समानांतर व्यवस्था बन चुकी है।

आज देश में सीबीएसई, आइसीएसई और विभिन्न राज्य बोर्डों के लाखों विद्यार्थी बारहवीं कक्षा की पढ़ाई करते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा का स्वरूप और तैयारी की पद्धति इन बोर्डों की नियमित पढ़ाई से काफी अलग हो चुकी है। इसी विसंगति ने देश में कोचिंग उद्योग को असाधारण रूप से विस्तार दिया है। समस्या का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू मेडिकल शिक्षा में उपलब्ध सीटों और अभ्यर्थियों की संख्या के बीच लगातार बढ़ती खाई है।

जब पूरा भविष्य एक ही परीक्षा पर निर्भर हो और अवसर सीमित हों तो भ्रष्ट तत्वों के लिए भी अवैध कमाई के अवसर पैदा होते हैं। अब समय आ गया है कि मेडिकल प्रवेश व्यवस्था में व्यापक सुधारों पर गंभीरता से विचार किया जाए। जैसे कि विद्यालयी शिक्षा और नीट के पाठ्यक्रम के बीच बेहतर सामंजस्य स्थापित करना होना चाहिए। यदि बारहवीं कक्षा में पढ़ाया जाने वाला विषय ही प्रवेश परीक्षा की वास्तविक तैयारी का आधार बने तो विद्यार्थियों का ध्यान स्वाभाविक रूप से विद्यालय की पढ़ाई पर लौटेगा।

इससे डमी स्कूलों की प्रवृत्ति घटेगी, कोचिंग पर अत्यधिक निर्भरता कम होगी और विद्यालयों की शैक्षणिक भूमिका फिर से मजबूत होगी। प्रवेश प्रक्रिया केवल एक दिन की परीक्षा तक सीमित न रहे। विद्यालयी प्रदर्शन, व्यावहारिक कौशल और निरंतर शैक्षणिक उपलब्धियों को भी उचित महत्व देने पर विचार किया जा सकता है। इससे विद्यार्थियों पर एक ही परीक्षा का अत्यधिक मानसिक दबाव कम होगा। केवल मेडिकल कालेजों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा। सरकारी कालेजों में सीटें बढ़ाने, निजी मेडिकल कालेजों की फीस को अधिक पारदर्शी और संतुलित बनाने तथा शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। जब अवसर बढ़ेंगे, तभी असामान्य प्रतिस्पर्धा का दबाव कम होगा।

सावन कृपाल रूहानी मिशन
आत्मा उसी सार-तत्त्व से बनी है जिससे परमात्मा।
- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज
स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२
देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

सिर्फ आश्वासन से लौटेगा युवाओं का भरोसा?

किसी भी मसले पर सरकार के रुख की वजह से अगर जनता या उसके एक हिस्से के बीच असंतोष फैलता है, तो उसका हल निकालना सरकार का ही दायित्व है। इस लिहाज से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं को संबोधित करते हुए अगर यह कहा कि प्रश्नपत्र लीक के दोषियों को सजा दिलाने के लिए सरकार ने त्वरित अदालतें स्थापित करने का फैसला किया है और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा, तो यह वक्त का तकाजा है।

मगर सदिच्छाओं से ही अगर समस्याओं का समाधान निकल पाता, तो आज देश में बड़ी तादाद में युवाओं के सामने शायद सड़क पर उतरने की नौबत नहीं आती। निश्चित तौर पर नीट 2026 के प्रश्नपत्र लीक होने और इसकी वजह से समूची परीक्षा का रद्द होना विद्यार्थियों के बीच असंतोष भड़कने का तात्कालिक कारण बना है, लेकिन सवाल है कि क्या यह प्रश्नपत्र लीक होने का कोई पहला मामला था! ऐसा क्यों है कि देश भर में इससे उपजे आंदोलन और उसमें पुलिस कार्रवाई के रुख को लेकर तीखे सवाल उठे हैं और इसके बावजूद सरकार को किसी की जिम्मेदारी तय करना जरूरी नहीं लगता।

प्रदर्शनकारियों की एक बुनियादी

मांग है कि इसके लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री से इस्तीफा लिया जाए, लेकिन ऐसा लगता है कि सरकार की नजर में इस सवाल की कोई अहमियत नहीं है। वरना क्या वजह है कि इस मुद्दे पर देश के अन्य हिस्सों में भी आंदोलन का दायरा फैलने के बावजूद सरकार अब तक कोई ठोस कार्रवाई करती नहीं दिखी है। यह एक बड़ा कारण हो सकता है कि विद्यार्थियों के एक बड़े तबके के बीच सरकार की कथनी पर भरोसा नहीं बन पा रहा है।

सच यह है कि पिछले कई वर्षों से अक्सर किसी न किसी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने के मामले सामने आते रहे और अगर किसी घटना ने तूल पकड़ लिया, तो सरकार की ओर से सबसे पहली कार्रवाई परीक्षा को रद्द करने की हुई। मगर न तो परीक्षा आयोजित कराने वाली एजेंसी को कठघरे में खड़ा किया गया, न ही संबंधित महकमे के मंत्री से जवाब-तलब किया गया। विपक्ष के एक आरोप के मुताबिक, वर्ष 2014 में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सत्ता में आने के बाद से अब तक 152 प्रश्नपत्र लीक हो चुके हैं और इससे करीब साढ़े सात करोड़ विद्यार्थी प्रभावित हुए।

ऐसे में अगर प्रदर्शनकारियों से लेकर विपक्षी दलों की ओर से भी केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की जा रही है, तो यह अनायास नहीं है। नीट 2026 के प्रश्नपत्र लीक होने के बाद अब यह मामला इतना तूल पकड़ चुका है कि सरकार को कई स्तर पर स्पष्टीकरण देने की जरूरत पड़ रही है। खुद प्रधानमंत्री ने कहा है कि देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

ऐसा लगता है कि पहले के प्रश्नपत्र लीक के मामलों की अनदेखी से जमा हुआ क्षोभ इस बार फूट पड़ा है। ऐसे में होना यह चाहिए कि सरकार की ओर से भविष्य में सब कुछ ठीक करने की सिर्फ सदिच्छा जताने के बजाय उच्च स्तर पर जिम्मेदारी तय की जाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के जरिए स्पष्ट संदेश दिया जाए, ताकि देश के युवाओं के बीच भरोसा पैदा हो। अगर आंदोलन की शुरुआत में ही सरकार ने गंभीरता दिखाई होती और प्रदर्शनकारियों से संवाद किया होता, तो शायद मामला इतना जटिल शक्ल नहीं अख्तियार करता।

राख के ढेर में मिला 2000 साल पुराना

स्पेन में आर्कियोलॉजिस्ट्स की एक टीम को बड़ा खजाना मिला है. उन्हें कचरे और राख के ढेर में

जरा हट के

2000 साल पुरानी घास की चप्पलें मिली हैं. यह खोज उरियम नाम की एक प्राचीन खदान के पास हुई है. उरियम स्पेन के सेविल से करीब 55 मील दूर स्थित है. यह जगह रोमन साम्राज्य के आने से ठीक पहले के आयरन एज की है. रिसर्चर्स को खुदाई के दौरान आठ चप्पलों के टुकड़े मिले हैं. इतने सालों तक राख में दबे रहने के कारण ये बिल्कुल सुरक्षित हैं. इन चप्पलों की मदद से आइबेरियन पेनिनसुला के लोगों की जिंदगी के कई राज सामने आए हैं. ये चप्पलें दिखाती हैं कि उस दौर के मजदूर कैसी चीजें इस्तेमाल करते थे. इससे प्राचीन काल की लाइफस्टाइल को समझने में काफी मदद मिलेगी. यह खोज उस दौर के लोगों की मेहनत और उनके रोजाना के संघर्ष की

कहानी भी बताती है.

इस खोज के बारे में पिरने (Pyrenae) जर्नल में एक स्टडी पब्लिश हुई है. आर्कियोलॉजिस्ट्स को ये चप्पलें फर्स्ट सेंचुरी बीसीई के एक मेटल वर्कशॉप के पास मिली हैं. इस जगह पर चार अलग-अलग वर्क एरिया और 10 भट्ठियां थीं. इसके अलावा 16 और कमरे भी मिले हैं जिनका असली इस्तेमाल अभी तक नहीं पता चला है. टीम को ये चप्पलें सीधे वर्कशॉप के अंदर नहीं मिलीं. ये चप्पलें पास के एक आंगन में राख के ढेर में फेंकी गई थीं.

यहां भट्ठी का कचरा और रोजमर्रा की दूसरी चीजें भी बिखरी हुई मिली हैं. इससे साफ होता है कि यह जगह कचरा फेंकने के काम आती थी. चप्पलों की हालत देखकर लगता है कि ये भारी इस्तेमाल के बाद टूट गई थीं. पुरानी और खराब होने के कारण ही मजदूरों ने इन्हें कचरे में फेंक दिया था.

इन चप्पलों को एस्पार्टो नाम की एक बेहद मजबूत घास से बनाया गया था. इस घास को बिना ज्यादा मुलायम किए कच्चा ही इस्तेमाल किया जाता था. चप्पल बनाने वाले कारीगर इन्हें पतली और चपटी चोटियों की तरह बुनते थे. इसके बाद इन्हें सोल का आकार दिया जाता था. चप्पल के वजन सहने वाले हिस्से को मोटे धागों से बनाया गया था.

ब्रेड उपमा

सामग्री

- ब्रेड स्लाइसः 4-5
- तेलः सिर्फ 1 या 2 छोटे चम्मच
- राई : 1/2 छोटा चम्मच
- कढ़ी पत्ताः 7-8 पत्ते
- हरी मिर्चः 1-2
- प्याजः 1 (बारीक कटा हुआ)
- टमाटरः 1 (बारीक कटा हुआ)
- हल्दी पाउडरः एक चौथाई छोटा चम्मच
- नमकः स्वादानुसार
- नींबू का रसः 1 चम्मच
- हरा धनिया
- मूंगफली के दाने

बनाने की विधि

सबसे पहले ब्रेड की स्लाइस लें और उन्हें छोटे-छोटे चौकोर टुकड़ों में काट लें। आप चाहें तो इन्हें हाथों से रफली भी तोड़ सकते हैं।

एक नॉन-स्टिक पैन या कड़ाही लें और उसमें थोड़ा-सा तेल गरम करें। तेल गरम होते ही उसमें राई डाल दें। जब राई चटकने लगे, तब

कढ़ी पत्ता और बारीक कटी हरी मिर्च डालकर कुछ सेकंड तक भूनें।

अब इसमें बारीक कटा हुआ प्याज डालें और हल्का गुलाबी होने तक भून लें। प्याज के नरम होते ही इसमें टमाटर, हल्दी और नमक मिला दें। टमाटर को जल्दी गलाने के लिए आप इसमें 2-3 चम्मच पानी के छींटे मार सकते हैं। इसे तब तक पकाएं जब तक टमाटर अच्छे से नरम न हो जाएं।

जब आपका यह चटपटा मसाला तैयार हो जाए, तो उसमें कटे हुए ब्रेड के टुकड़े डाल दें। हल्के हाथों से इसे अच्छे से मिलाएं ताकि सारा मसाला ब्रेड पर लग जाए। अब गैस धीमी करें और इसे 1 से 2 मिनट के लिए ढककर पकने दें, ताकि ब्रेड नरम हो जाए और मसालों का स्वाद सोख ले। अंत में गैस बंद कर दें। ऊपर से नींबू का रस निचोड़ें, भुनी हुई मूंगफली डालें और ताजे हरे धनिये से सजाएं। लीजिए। आपका कम तेल वाला, सुपर टेस्टी और हेल्दी ब्रेड उपमा बनकर बिल्कुल तैयार है। इसे अपनी सुबह की चाय या कॉफी के साथ एन्जॉय करें।

50 की उम्र में भी दिख सकते हैं 30 के

- **बस डाइट में जोड़ें ये 6 सुपरफूड्स**
- **2 भी खाया तो चल जाएगा काम**

क्या आप भी चाहते हैं कि 50 की उम्र में लोग आपको 30 का समझें? अगर हां, तो सिर्फ महंगे स्किनकेयर प्रोडक्ट्स पर पैसे खर्च करने से काम नहीं चलेगा. असली जादू आपकी डाइट में छिपा है. फिटनेस और डाइट एक्सपर्ट जूही कपूर के मुताबिक, कुछ सुपरफूड्स ऐसे हैं जो स्किन को अंदर से पोषण देते हैं, एजिंग की रफ्तार धीमी करने में मदद करते हैं और चेहरे का नैचुरल ग्लो बनाए रखते हैं. सबसे अच्छी बात यह है कि इन 6 सुपरफूड्स में से रोज सिर्फ 2 चीजें भी खा लें, तो आपकी स्किन लंबे समय तक हेल्दी, फ्रेश और यंग दिख सकती है.

तो चलिए जानते हैं उन हेल्दी फूड्स के बारे में, जिन्हें अगर आप

अपने डेली डाइट में शामिल करें तो यह सेहत के साथ-साथ आपकी स्किन को भी लंबी उम्र तक हेल्दी और यंग रख सकते हैं.-

1. बेरीज करें डाइट में शामिल-

ब्लूबेरी, स्ट्रॉबेरी और रास्पबेरी जैसी बेरीज एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती हैं. ये शरीर में बनने वाले फ्री रेडिकल्स से लड़ती हैं, जो त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाकर एजिंग की प्रक्रिया को तेज करते हैं. नियमित सेवन से स्किन की इलास्टिसिटी और नैचुरल ग्लो बनाए रखने में मदद मिल सकती है.

2. नट्स और सीड्स-

बादाम, अखरोट, चिया सीड्स और सूरजमुखी के बीज हेल्दी फैट्स और विटामिन E का बेहतरीन स्रोत हैं. ये त्वचा को अंदर से मॉइस्चराइज रखते हैं और झुर्रियां आने की रफ्तार को कम करने में मदद कर सकते हैं. साथ ही ये दिमाग और दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद माने जाते हैं.

3. हरी पत्तेदार सब्जियां-

पालक, मेथी, सरसों और केल जैसी हरी सब्जियां फोलेट, आयरन और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होती हैं. ये शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बनाती हैं, जिससे त्वचा तक जरूरी पोषण पहुंचता है और चेहरा अंदर से हेल्दी नजर आता है.

4. ग्रीन टी-

अगर आप रोज एक या दो कप ग्रीन टी पीते हैं, तो यह भी स्किन के लिए फायदेमंद हो सकती है. इसमें मौजूद पॉलीफेनॉल्स नाम के एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को सूरज की हानिकारक UV किरणों से बचाने और एजिंग के असर को कम करने में मदद कर सकते हैं.

5. रेड बेल पेपर-

लाल शिमला मिर्च में लाइकोपीन नाम का शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है. यह त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान से बचाने और सूरज की किरणों के प्रभाव को कम करने में मदद कर सकता है. इससे त्वचा लंबे समय तक जवां बनी रह सकती है.

6. ऑलिव ऑयल-

ऑलिव ऑयल में मौजूद मोनोअनसैचुरेटेड फैट्स शरीर में सूजन कम करने और त्वचा को पोषण देने का काम करते हैं. इसका सीमित मात्रा में सेवन स्किन को हाइड्रेट रखने और फाइन लाइन्स व झुर्रियों को कम करने में मददगार हो सकता है.

सिर्फ 2 चीजें भी हैं काफी

डाइट एक्सपर्ट का कहना है कि इन सभी चीजों को एक साथ खाना जरूरी नहीं है. अगर आप अपनी रोजमर्रा की डाइट में इनमें से सिर्फ 2 सुपरफूड्स को भी नियमित रूप से शामिल कर लें और साथ में पर्याप्त पानी, अच्छी नींद और नियमित एक्सरसाइज करें, तो त्वचा की सेहत पर सकारात्मक असर देखने को मिल सकता है.

आज का राशिफल

मेष : आय में निश्चितता रहेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। सहकर्मी साथ नहीं देंगे। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। किसी के व्यवहार से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

वृषभ : नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। चोट व रोग से कष्ट संभव है। प्रमाद न करें। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है।

मिथुन : व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी से बचें। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन की योजना बनेगी।यात्रा मनोरंजक रहेगी।

कर्क : सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें। थकान रह सकती है। तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

सिंह : व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। किसी भी प्रकार के विवाद में न पड़ें। जोखिम के कार्य टालें।

कन्या : पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है। किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। शारीरिक कष्ट संभव है। जल्दबाजी से हानि होगी। जमानत के कार्य टालें। धन प्राप्ति सुगम होगी।

तुला : किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। शत्रुओं का पराभव होगा। किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। प्रसन्नता रहेगी। स्थायी संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही प्राप्त होगा।

वृश्चिक : मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

धनु : दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। आय बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। जोखिम न लें। विवाद को बढ़ावा न दें। कानूनी अड़चन से सामना हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें।

मकर : सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें। कारोबार ठीक चलेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य अनुकूल है। समय का लाभ लें। मित्रों का सहयोग करने का मौका प्राप्त होगा। मेहनत का फल मिलेगा।

कुंभ : किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। मित्रों अच्छा समय बीतेगा।

मीन : कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। समय अनुकूल है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। जल्दबाजी न करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

विटामिन बी12 की कमी होने से मैमोरी लॉस होने लगती है?

- **इन संकेतों को न करें नजरअंदाज करने की गलती**

विटामिन B12 शरीर के लिए बेहद जरूरी पोषक तत्व है, लेकिन इसकी कमी को अक्सर लोग केवल थकान या एनीमिया से जोड़कर देखते हैं. वास्तव में यह विटामिन दिमाग, नसों और लाल रक्त कोशिकाओं को स्वस्थ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. जब शरीर में विटामिन B12 की कमी हो जाती है, तो इसका असर केवल शारीरिक स्वास्थ्य पर ही नहीं बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है.

विटामिन B12 की कमी का सबसे बड़ा असर याददाश्त और सोचने-समझने की क्षमता पर पड़ सकता है. व्यक्ति को चीजें भूलने की आदत हो सकती है, ध्यान लगाने में परेशानी हो सकती है और कई बार भ्रम या कन्फ्यूजन महसूस हो सकता है. कुछ लोगों को अपनी बात स्पष्ट रूप से कहने में भी कठिनाई होती है. इसके अलावा ब्रेन फॉग की समस्या हो सकती है,

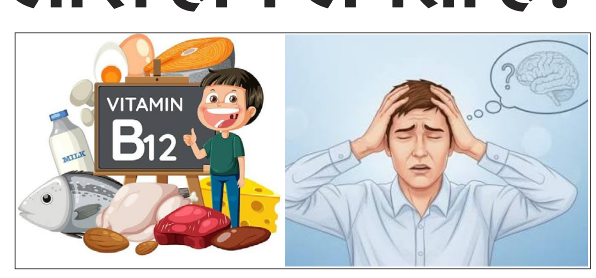

जिसमें सोचने की क्षमता धीमी और अस्पष्ट लगने लगती है. चिड़चिड़ापन, चिंता और डिप्रेशन जैसे लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं. गंभीर मामलों में, खासकर बुजुर्गों में, डिमेंशिया जैसे लक्षण भी विकसित हो सकते हैं.

विटामिन बी12 की कमी का खतरा किसे होता है?

कुछ लोगों में विटामिन बी12 की कमी होने का खतरा ज्यादा होता है. जैसे- बुजुर्गों में उम्र बढ़ने के साथ विटामिन B12 को अवशोषित करने की क्षमता कम हो सकती है. पूरी तरह शाकाहारी और वीगन लोगों में भी इसकी कमी का जोखिम रहता है क्योंकि यह विटामिन मुख्य रूप से मांस, मछली, अंडे और डेयरी उत्पादों में पाया जाता है। आंतों से जुड़ी बीमारियों या पेट की सर्जरी करा चुके लोगों में भी यह समस्या देखी जा सकती है।

निदान और उपचार

विटामिन B12 की कमी का पता ब्लड टेस्ट के जरिए लगाया जा सकता है. कुछ मामलों में अतिरिक्त जांच की भी जरूरत पड़ सकती है. इसका इलाज कमी की गंभीरता पर निर्भर करता है. हल्के मामलों में सप्लीमेंट और खानपान में बदलाव पर्याप्त होते हैं, जबकि गंभीर कमी होने पर इंजेक्शन दिए जा सकते हैं. मछली, चिकन, अंडे, दूध, दही, चीज और फोर्टिफाइड अनाज इसके अच्छे स्रोत हैं.

मानसून में खुजली और लाल चकत्तों को न करें नजरअंदाज

मानसून का मौसम जहां गर्मी से राहत लेकर आता है, वहीं अपने साथ कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी लेकर आता है. इन्हीं में से एक है फंगल इंफेक्शन. डॉ. राजकुमार (आयुष) ने बताया कि फंगल इंफेक्शन सबसे ज्यादा उन जगहों पर होता है, जहां नमी ज्यादा रहती है. जैसे पैरों की उंगलियों के बीच, बगल, कमर, गर्दन, जांघों के आसपास और त्वचा की सिलवटों में. शुरुआत में खुजली, लाल चकत्ते, जलन या त्वचा का छिलना जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं. कई बार लोग इसे सामान्य खुजली समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यही लापरवाही संक्रमण को बढ़ा सकती है. अगर समय पर इलाज न मिले तो यह शरीर के दूसरे हिस्सों तक भी फैल सकता है.

बचने के उपाय

इस मौसम में सबसे जरूरी बात है कि शरीर को साफ और सूखा रखा जाए. रोजाना स्नान करें और नहाने के बाद शरीर को अच्छी तरह तौलिए से सुखाएं. खासकर उन जगहों को, जहां पसीना ज्यादा आता है. अगर कपड़े भीग जाएं या पसीने से गीले हो जाएं तो उन्हें तुरंत बदल लें. लंबे समय तक गीले कपड़े पहनने से फंगस को बढ़ने का मौका मिल जाता है.

असरदार घरेलू उपाय

घरेलू उपायों की बात करें तो नीम को फंगल इंफेक्शन से बचाव के लिए काफी असरदार माना जाता

है. आप नीम की पत्तियों को पानी में उबालकर उससे स्नान कर सकते हैं. इसमें मौजूद एंटीफंगल गुण त्वचा को संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं. इसके अलावा नारियल तेल में दो से तीन बूंद टी ट्री ऑयल मिलाकर प्रभावित जगह पर हल्के हाथों से लगाया जा सकता है.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बेडरूम में पहुंचते ही चीख पड़ी दुल्हन, सुहागरात पर चल बस दूल्हा, परिवार में मचा कोहराम

बदायूं. बदायूं में शादी के बाद ससुराल पहुंची दुल्हन की दुनिया उजड़ गई। दरअसल दुल्हन की विदाई के बाद घर लौटा दूल्हा अपनी सुहागरात की तैयारी कर रहा था। बेडरूम में वह सोने गया तो उसे किसी जहरीले सांप ने डंस लिया। दुल्हन जब बेडरूम में पहुंची तो दूल्हे को अचेत पड़ा देखकर चीख पड़ी। आनन-फानन में घर वाले दूल्हे को लेकर इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, लेकिन परिजन मौत मानने को तैयार नहीं हुए। उन्होंने पोस्टमार्टम कराने के बजाय युवक को झाड़-फूंक कराने के लिए सपेरों के पास पहुंचा दिया। घटना से नवविवाहिता समेत पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

प्रेमी से निकाह करना चाहती थी तलाकशुदा महिला, उसी ने गला घोंटकर मार डाला

अमरोहा. यूपी के अमरोहा में तलाकशुदा महिला शबाना की गला दबाकर हत्या करने वाले प्रेमी फैज को नगर कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वारदात अंजाम देने के बाद वह उड़ीसा भाग गया था। गुरुवार शाम हत्यारोपी फैज अमरोहा में रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रहा था, लोकेशन मिलते ही हरकत में आई पुलिस ने उसे दबोच लिया। हत्या के पीछे कारण मृतका शबाना का गैर लोगों से बातचीत करना रहा जो प्रेमी फैज को बर्दाश्त नहीं हो सका। मोबाइल पर बातचीत करते समय रंगेहाथ पकड़ने के बाद शुरू हुए झगड़े में उसने सीने पर बैठ गला दबाकर शबाना की हत्या की थी।

पत्नी को पीट रहे बेटे को रोकने आए पिता को मार डाला, सीने में छुरी घोंपकर की हत्या

बरेली. यूपी के बरेली में पत्नी को पीट रहे शराबी युवक ने बीचबचाव करने आए पिता के सीने में छुरी घोंपकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। बिथरी चैनपुर के गांव तैयतपुर निवासी बाबूराम कोरी शराब पीने का आदी है। शुक्रवार को वह सुबह से ही शराब पी रहा था। दोपहर करीब 12 बजे बाबूराम घर पहुंचा और खाना नहीं बना होने के कारण पत्नी पुष्पा से मारपीट करने लगा। यह देखकर बाबूराम के पिता 70 वर्षीय रामदीन कोरी बीचबचाव करने लगे। इससे गुस्साए बाबूराम ने सब्जी काटने वाली छुरी से अपने पिता रामदीन के सीने में प्रहार कर दिया। एक ही प्रहार में रामदीन की मौत हो गई।

पत्नी ने गिफ्ट की थी थार, पति ने उसी में गोली से उड़ा दिया; नहर में बहा दी लाश

मुरादाबाद. उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में 23 साल की महिला अदीला रहमान की गुमशुदगी मामले में एक सनसनीखेज खुलासा हुआ है। अदीला 25 जून को अपने परिवार को यह बताकर घर से निकली थी कि वह हैदराबाद की उस्मानिया यूनिवर्सिटी में एलएलबी सेकेंड इयर की परीक्षा देने जा रही है। इसके बाद वह लापता हो गई थी। खुलासा हुआ है कि अदीला की उसके ही पति ने 29 जून को एसयूवी (थार) के अंदर गोली मारकर हत्या कर दी थी। यह थार अदीला ने ही अपने पति को गिफ्ट में दी थी। पुलिस के मुताबिक, अदीला चाहती थी कि उसका पति अपने परिवार से रिश्ते खत्म कर ले, इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा

- **दीपके बोले- वे कहते थे इस सरकार में इस्तीफे नहीं होते**
- **लेकिन झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए**

नई दिल्ली. शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया है। NEET पेपर लीक केस में उनके इस्तीफे की मांग करते हुए कॉकरोच जनता पार्टी पिछले 36 दिन से जंतर-मंतर पर धरना दे रही है।

इस्तीफे के बाद जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके ने कहा- वे कहते थे, इस सरकार में इस्तीफे नहीं होते, लेकिन झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए।

प्रधान ने इस्तीफे को लेकर चिट्ठी पोस्ट की। दो पेज और 575 शब्दों में लिखी इस चिट्ठी में प्रधान ने बाकी बातों के साथ दो जगह युवाओं को भ्रमित करने की बात भी लिखी। चिट्ठी का यह हिस्सा नीचे हाइलाइट किया गया है।

12 साल में पहली बार विरोध के बाद इस्तीफा

2014 में पहली बार मोदी सरकार बनने के बाद 12 साल के कार्यकाल में धर्मेंद्र प्रधान पहले मंत्री हैं, जिन्हें विरोध के चलते इस्तीफा देना पड़ा है। हालांकि, इससे पहले 2018 में विदेश राज्य मंत्री एमजे अकबर ने इस्तीफा दिया था, लेकिन तब दुनियाभर में 'मी टू' आंदोलन चल रहा था और अकबर पर पत्रकारिता के दिनों में यौन उत्पीड़न के आरोप लगे थे।

जंतर-मंतर पर अभिजीत दीपके ने कहा- मंत्री का इस्तीफा तो हो गया है, लेकिन हमारी दो और मांगे हैं। हम ऐसे नहीं जाएंगे। कॉकरोच एक बार घुसता है, तो निकलता नहीं। जिन बच्चों ने सुसाइड किया, उनके परिवार को एक करोड़ मुआवजा मिले। पुलिसवालों पर एक्शन हो।

दिल्ली पुलिस अधिकारी याद रखें कि उन्होंने कॉकरोच से पंगा लिया है। हमने तो एक मंत्री का इस्तीफा ले लिया, तो तुम लोग क्या चीज हो। छात्रों पर केस वापस होने चाहिए। भैया, ये लोकतंत्र है। मुझे एक महीने से लोग कहते थे- क्या कर रहे हो, कब तक बैठोगे, ये इस्तीफा नहीं देंगे। ये मनमानी सरकार है, लेकिन हमने कर दिखाया।

प्रह्लाद जोशी होंगे देश के नए शिक्षा मंत्री

कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद जोशी देश के नए शिक्षा मंत्री होंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार शाम धर्मेंद्र प्रधान का मंत्रिमंडल से इस्तीफा स्वीकार कर लिया। उनकी जगह उपभोक्ता एवं खाद्य मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। प्रधान ने आज दोपहर शिक्षा मंत्री के पद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना इस्तीफा भेजा था। राष्ट्रपति भवन के अनुसार, द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री की सलाह पर तत्काल प्रभाव से प्रधान का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री की सलाह पर प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

सभी अपने-अपने घर जाएं

- **कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं ने की अपील**

नई दिल्ली. केंद्र सरकार के साथ हुई तीसरे दौर की बातचीत के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने अपना आंदोलन तत्काल वापस ले लिया है। पार्टी ने यह फैसला केंद्र सरकार द्वारा उसकी तीनों मांगों को मान लेने के बाद किया। इसके साथ ही CJP के प्रवक्ताओं ने जंतर-मंतर पर मौजूद प्रदर्शनकारियों से वापस अपने अपने घर जाने को भी कह दिया है। इससे पहले केंद्र सरकार और कॉकरोच जनता पार्टी के दोनों प्रतिनिधियों के बीच शनिवार दोपहर को तीसरे दौर की बातचीत हुई, जिसमें शामिल सरकार के दोनों मंत्रियों ने CJP की सभी मांगों को मान लेने पर सहमति जता दी। बैठक के सफलतापूर्वक खत्म होने के बाद कॉकरोच पार्टी के प्रवक्ता ने कहा, 'हमारी मांगें क्रांतिकारी नहीं बल्कि बुनियादी थीं, और सरकार ने अब उन्हें मान लिया है।'

सरकार ने मांगी सीजेपी की ये मांगें

- NEET पेपर लीक से जुड़े आत्महत्या के मामलों में पीड़ित परिवारों को ज्यादा से ज्यादा मुआवजा दिया जाएगा।
- केंद्र सरकार और NDA-शासित राज्यों द्वारा दर्ज सभी FIR वापस ले ली जाएंगी और भविष्य में इन विरोध प्रदर्शनों में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।
- सरकार CJP के परीक्षा सुधार से जुड़े 5 सूत्रीय प्रस्ताव पर विचार करेगी और इन सुधारों पर आगे चर्चा के लिए CJP सरकार के साथ बैठक करेगी।

सरकार के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत खत्म होने के बाद हुई संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में CJP नेताओं ने सभी प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्वक घर जाने की अपील की। उधर सरकार की तरफ से बैठक में शामिल स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बताया कि CJP की सभी प्रमुख मांगों को मान लिया गया है।

होटल की खिड़की से झील में गिरी बच्ची, मौत

- **दिल्ली से उदयपुर घूमने आया था परिवार**
- **पिता गोद में शव लेकर घर रवाना**

उदयपुर. उदयपुर के जगत निवास होटल की खिड़की से दो साल की बच्ची पिछोला झील में गिर गई। झील में डूबने से बच्ची की मौत हो गई। कड़ी मशक्कत के बाद बच्ची के शव को बाहर निकाला गया। घंटाघर थाने के ASI ईशाक मोहम्मद ने बताया- नई दिल्ली के फतहपुर बेरी असोला निवासी सोनू सिंह तंवर (34) अपनी पत्नी डॉ. मोनिका (29) और 2 साल की बेटी धीमही के साथ उदयपुर घूमने आए थे। वे जगत निवास होटल में ठहरे हुए थे।

शनिवार सुबह दूसरी मंजिल पर ब्रेकफास्ट करने आए। वे नाश्ता लेने आगे बढ़े तभी पीछे से बच्ची होटल की गोखड़े (खिड़की) से झील में गिर गई। लोग बच्ची को झील से निकालकर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया।

भागवत बोले- नई पीढ़ी को आदेश न दें

- **हम मनमानी करेंगे, शक्ति से सबके मालिक बनेंगे, ऐसा नहीं हो सकता**

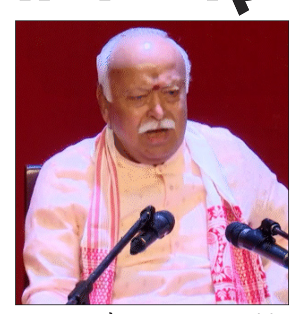

नई दिल्ली. आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को दिल्ली में कहा, 'आज की नई पीढ़ी बहुत सारे सवाल पूछती है। हमें आदेश देने की बजाय उनसे बातचीत करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि उन्हें हर बात के पीछे का तर्क समझाना चाहिए, न कि आदेश देना चाहिए। संवाद के जरिए ही उन्हें सही दिशा दिखाई जा सकती है। हम मनमानी करेंगे, शक्ति से सबके मालिक बनेंगे, ऐसा नहीं हो सकता। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब देश में पेपर लीक के मुद्दे को लेकर छात्र जंतर-मंतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

पहले माता-पिता की बात ही अंतिम होती थी, आज नहीं...

- मोहन भागवत ने कहा, 'पहले के समय में माता-पिता की बात बिना किसी सवाल के मान ली जाती थी। जब हम छोटे थे, तो माता-पिता जो कहते थे, वही अंतिम होता था।'
- कोई बहस नहीं होती थी। श्रद्धा थी और प्रतिक्रिया भी नहीं होती थी, लेकिन अब समय बदल गया है। नई पीढ़ी सवाल पूछती है और उन्हें हर बात का तर्क बताना पड़ता है।
- नई पीढ़ी को बहुत अपनापन देने की जरूरत है, उन्हें समय देने की जरूरत है और सबसे ज्यादा संवाद की जरूरत है।
- आज डिक्टेशन नहीं, डिस्कशन की जरूरत है। ऑर्डर नहीं, कॉन्शसनेस (जागरूकता) की जरूरत है।
- आज परिवारों में आपसी बातचीत पहले की तुलना में काफी कम हो गई है। बच्चों और युवाओं के साथ नियमित संवाद ही उन्हें सही दिशा दे सकता है।
- केवल आदेश देने से बात नहीं बनेगी, बल्कि परिवार और समाज को युवाओं के साथ समय बिताना होगा और उनकी बात भी सुननी होगी।

ट्रम्प बोले- चीन-रूस जंग में आए तो अंजाम बुरा होगा

- **पुतिन-जिनपिंग ने मुझे यकीन दिलाया**
- **वे ईरान को हथियार नहीं देंगे**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें नहीं लगता कि चीन या रूस ईरान युद्ध में शामिल हैं। हालांकि उन्होंने धमकी दी कि अगर दोनों देशों ने इस युद्ध में दखल दिया तो इसके गंभीर नतीजे होंगे और यह उनके लिए अच्छा नहीं होगा।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि हाल ही में बीजिंग में हुई उनकी मुलाकात के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उन्हें भरोसा दिया था कि वे किसी भी हाल में ईरान को हथियार नहीं देंगे। चीनी कंपनियों के लिए भी यही चीज लागू है।

ट्रम्प ने कहा मुझे जिनपिंग पर यकीन है। उन्होंने यह भी कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी उनसे कहा था कि वे ईरान को हथियार नहीं बेचेंगे।

ट्रम्प ने कहा कि यूक्रेन जंग के बावजूद उनकी पुतिन से बातचीत जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका सीधे यूक्रेन को हथियार नहीं बेचता, बल्कि नाटो देशों को बेचता है। नाटो देश इन हथियारों की पूरी कीमत चुकाते हैं। उसके बाद वे इन्हें किस तरह आगे भेजते हैं, इसकी उन्हें जानकारी नहीं होती।

अफसर को पीटने के मामले में पूर्व विधायक बरी

बांदा. बांदा में खान अधिकारी को बंधक बनाकर पीटने के एक मामले में तिंदवारी के पूर्व भाजपा विधायक बृजेश कुमार प्रजापति और उनके चार साथियों को सभी आरोपों से बरी कर दिया गया। करीब आठ साल पुराने मामले में विशेष न्यायालय के अपर सिविल जज प्रफुल्ल कुमार चौधरी ने अभियोजन पक्ष की कहानी में विरोधाभास और पुलिस की बेहद खराब और दोषपूर्ण विवेचना के चलते यह फैसला सुनाया।

यूपी-बिहार में प्रदर्शन के दौरान हिंसा

- **फायरिंग-पथराव में 15 घायल**
- **दो SP भी चोटिल**
- **प्रयागराज में 10 हजार छात्र सड़कों पर**
- **इंदौर में धरना खत्म**

नई दिल्ली. NEET पेपर लीक मामले और लाठीचार्ज के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन देशभर में शुक्रवार को भी प्रदर्शन जारी है।

बिहार में आज बंद है। इस दौरान पटना और सीवान सहित 8 जिलों में छात्रों ने पुलिस पर पथराव किया। पथराव में सीवान में पथराव से SP घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और करीब 10 राउंड फायरिंग की। सीतामढ़ी में भी पथराव हुआ। SI समेत 12 लोग घायल हो गए।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज, लखनऊ और सहारनपुर समेत कई शहरों में प्रदर्शन हुए। प्रयागराज में 10 हजार लोगों ने भारी बारिश का बावजूद सड़कों पर प्रदर्शन किया।

मध्यप्रदेश के 20 शहरों में प्रदर्शन हुए। इंदौर में प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद खुशी मनाते हुए मिठाई बांटी और धरना खत्म करने का ऐलान कर दिया।

गुजरात में भारी बारिश, 5 की मौत

- **असम में बाढ़ से 24 घंटे में 14 मौतें**
- **MP- यूपी, राजस्थान में बारिश का अलर्ट**
- **अमरनाथ यात्रा फिर शुरू**

नई दिल्ली. गुजरात में लगातार हो रही भारी बारिश से कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। अब तक बाढ़ प्रभावित इलाकों से 40,500 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। बारिश से जुड़े हादसों में 5 लोगों की मौत हो गई है। अहमदाबाद में आज सभी स्कूल, कॉलेज और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रहेंगे।

असम में बाढ़ से पिछले 24 घंटे में 14 लोगों की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 61 हो गई है। राज्य के 12 जिलों में बाढ़ से 7.05 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। मध्य प्रदेश में मानसूनी बारिश का स्ट्रॉग सिस्टम एक्टिव है, जिसके चलते आज प्रदेश के 35 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश में पिछले 15 दिनों से लगातार बारिश हो रही है। इसे देखते हुए शनिवार को राज्य के 30 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इधर, राजस्थान में भी बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने शनिवार को राज्य के विभिन्न हिस्सों के लिए ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया है। अमरनाथ यात्रा खराब मौसम के कारण 6 दिनों तक स्थगित रहने के बाद शनिवार को फिर से शुरू हो गई।

दिल्ली पुलिस बोली- जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में 2500 क्रिमिनल बैकग्राउंड वाले

- **जांच का मकसद- कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वालों की पहचान**

नई दिल्ली. दिल्ली पुलिस फेस रिकॉग्निशन सिस्टम (FCR) के जरिए जंतर मंतर पर प्रोटेस्ट करने वालों की पहचान कर रही है। 2500 लोग ऐसे मिले हैं जिनका पिछला क्रिमिनल रिकॉर्ड रहा है।

इनमें वेस्ट दिल्ली, नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली, साउथ दिल्ली और बाकी अन्य जिलों के हैं। सूत्रों के मुताबिक, वायरल सोशल मीडिया पोस्ट, सीसीटीवी फुटेज की FCR से जांच करने पर इन क्रिमिनल्स की पहचान हुई।

जंतर-मंतर पर कॉकरोच पार्टी के प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई थी। पुलिस और छात्रों के बीच झड़प हुई थी। कई वीडियोज ऐसे भी आए थे, जिनमें फोर्सेस पर भी हमला हुआ। फोर्सेस पर गलत बल प्रयोग के आरोप भी लगे, जिसके बाद दिल्ली पुलिस प्रदर्शन की फुटेज और फोटो जांच रहा है। इस बीच, रैपिड एक्शन फोर्स ने भी जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग और पेलेट गन चलाने के आरोपों की जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली पुलिस के स्पेशल कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर देवेश कुमार श्रीवास्तव ने दैनिक भास्कर से कहा कि CJP प्रोटेस्ट को लेकर दिल्ली पुलिस के किसी भी अधिकारी पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

गुलाम देशों के लिए शुरू हुआ था कॉमनवेल्थ गेम्स

- **भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पहला मेडल**
- **झंडू कुमार को पैरा पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज**
- **190 kg का वजन उठाया**

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने पहला मेडल जीत लिया है। बिहार के पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने पुरुष हेवीवेट वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। उन्होंने 190 किलोग्राम की बेस्ट लिफ्ट के साथ 130.9 अंक हासिल किए।

इससे पहले पुरुष और महिला लाइटवेट पैरा पावरलिफ्टिंग में भारत मेडल से चूक गया था। वहीं बॉक्सिंग में जादुमणि सिंह ने जीत के साथ राउंड ऑफ-16 में जगह बनाई। लॉन बॉल्स में पुतुल सोनोवाल ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की। 28 साल के झंडू कुमार ने ग्रुप-बी से खेलते हुए पहले प्रयास में 181 किलोग्राम और दूसरे प्रयास में 190 किलोग्राम वजन उठाया। इससे उन्हें 130.9 अंक मिले। तीसरे प्रयास में उन्होंने 196 किलोग्राम उठाकर बर्मिंघम 2022 का गेम्स रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। इसके बावजूद उनका स्कोर ब्रॉन्ज मेडल के लिए पर्याप्त रहा। नाइजीरिया के रिलुवान इदरीस ने गोल्ड और इंग्लैंड के मैथ्यू हार्डिंग ने सिल्वर जीता।

सब्जियां बेचने और ई-रिक्शा चलाने से कॉमनवेल्थ मेडल तक का सफर

बिहार के नालंदा जिले के हरनौत में झंडू कुमार बचपन से पोलियो से प्रभावित थे। परिवार की मदद के लिए उन्होंने सड़क किनारे पिता के साथ आलू-प्याज बेचे और कोविड के दौरान ई-रिक्शा चलाकर रोजी-रोटी कमाई। अब वही खिलाड़ी कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए मेडल जीत चुका है।
2023 में नेशनल चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए उन्होंने अपना ई-रिक्शा तक बेच दिया। पहली बार में कोई सफल लिफ्ट नहीं लगा सके, लेकिन उनकी प्रतिभा पर पैरालिंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट राजिंदर सिंह राहेलू की नजर पड़ी। इसके बाद SAI सेंटर में ट्रेनिंग मिली और करियर नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया। 2017 में पैरा एथलेटिक्स से शुरुआत करने वाले जंडू ने बाद में पावरलिफ्टिंग को चुना। नेशनल रिकॉर्ड बनाया, वर्ल्ड कप और एशियन-ओशिनिया चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज जीता।

प्रधानमंत्री ने बधाई दी

बिहार के नालंदा के पैरालिफ्टर के कॉमनवेल्थ गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने X पर लिखा, 'झंडू कुमार का शानदार प्रदर्शन। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की पुरुष हेवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत का पदकों का खाता खोला। इस उपलब्धि पर उन्हें बहुत-बहुत बधाई।'

उनकी सफलता अद्भुत ताकत, अटूट संकल्प और वर्षों की अनुशासित मेहनत का प्रमाण है। हर चुनौती का सामना करते हुए अंतरराष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उन्होंने पूरे देश को गौरवान्वित किया है और अनगिनत भारतीयों को प्रेरित किया है।

बॉक्सिंग में जादुमणि ने 5-0 से जीता मुकाबला

भारत के 21 साल के बॉक्सर जादुमणि सिंह ने पुरुष 55 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ-32 मुकाबले में मेजबान स्कॉटलैंड के आरोन कुलेन को 5-0 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। पांचों जजों ने तीनों राउंड में जदुमणि के पक्ष में फैसला दिया।

सोनम रघुवंशी फिर जेल जाएगी

- **सुप्रीम कोर्ट से जमानत रद्द**
- **तीन हफ्ते में सरेंडर करना होगा**

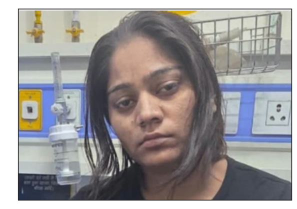

नई दिल्ली. इंदौर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दी। कोर्ट ने मेघालय पुलिस की याचिका पर सुनवाई के बाद गुरुवार को फैसला सुनाया।

सुप्रीम कोर्ट ने सोनम को तीन हफ्ते में सरेंडर करने का आदेश दिया है। यानी सोनम को फिर जेल जाना होगा। कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट ने गिरफ्तारी के आधारों की जानकारी दिए जाने में कथित खामियों के आधार पर जमानत देकर गलती की थी। इसके साथ ही कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया कि मामले का ट्रायल 6 महीने के भीतर पूरा किया जाए। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर तय अवधि में ट्रायल पूरा नहीं होता है तो सोनम रघुवंशी दोबारा जमानत के लिए आवेदन कर सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 22(1) के तहत गिरफ्तारी के आधार की जानकारी देना अनिवार्य है, लेकिन इस मामले में गिरफ्तारी के आधार बताने में पूरी तरह नाकामी नहीं हुई थी। कोर्ट के अनुसार, गिरफ्तारी के आधार बिल्कुल न बताना और उनमें कुछ जानकारियों का अपर्याप्त होना, दोनों अलग-अलग स्थितियां हैं। इसलिए केवल तकनीकी कमी के आधार पर जमानत देना उचित नहीं था।

जमानत पर बाहर रहना ट्रायल को प्रभावित कर सकता है: SC

कोर्ट ने यह भी कहा कि सोनम ने मजिस्ट्रेट के सामने गिरफ्तारी के आधार और संबंधित दस्तावेज मिलने की पुष्टि की थी। साथ ही स्पष्ट किया कि यदि गिरफ्तारी की प्रक्रिया में कोई कमी भी हो, तब भी जांच एजेंसी जरूरत पड़ने पर दोबारा गिरफ्तारी कर सकती है। जस्टिस एमएम सुंदरेशन और जस्टिस पीबी वरेले की बेंच ने कहा कि मेरिट के आधार पर सोनम की जमानत याचिकाएं पहले ही खारिज हो चुकी हैं और मुकदमे की सुनवाई शुरू हो गई है। ऐसे में इस चरण पर आरोपी का जमानत पर बाहर रहना ट्रायल को प्रभावित कर सकता है।

महिला कर्मचारी से एयरलाइन कंपनी की कैब में रेप

- **हैदराबाद में ड्राइवर ने एयरपोर्ट जाते समय रास्ता बदला**
- **सुनसान जगह पर कार रोकी, गिरफ्तार**

हैदराबाद. तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में 37 साल की महिला के साथ रेप का मामला सामने आया है। आरोप के मुताबिक ड्यूटी पर जा रही प्राइवेट एयरलाइन की महिला केबिन क्रू मेंबर के साथ उसकी ऑफिशियल कैब के ड्राइवर ने रास्ते में दुष्कर्म किया। महिला राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (RGIA) जा रही थी। पुलिस ने 23 साल के आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना के तुरंत बाद पीड़िता राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पुलिस आउटपोस्ट पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। महिला के बयान के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की संबंधित धाराओं (जैसे दुष्कर्म और हमले की धाराओं) के तहत मामला दर्ज किया और जांच शुरू कर दी। पुलिस की विशेष टीम ने अगले ही दिन, यानी 21 जुलाई को आरोपी को ट्रैक कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के निवासी एर्रापोगु प्रशांत कुमार के रूप में हुई है।

इंडिगो ने कहा- हम जांच में सहयोग कर रहे

इंडिगो ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि वो इस मामले से वाकिफ है और समझती है कि वर्तमान में संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा इसकी जांच की जा रही है। एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा, 'हम अधिकारियों का पूरा सहयोग कर रहे हैं और आवश्यकतानुसार उनका समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

संक्षेप...

सचिन अहीर के घर 2.65 करोड़ की चोरी

मुंबई. महाराष्ट्र के विधानपरिषद के उपसभापति सचिन अहीर के घर से 5 साल में 2.65 करोड़ रुपये के कीमती सामान की चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर एक आरोपी गिरफ्तार किया गया है जबकि तीन फरार आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, शिवसेना शिंदे गुट के एमएलसी और महाराष्ट्र के विधानपरिषद के उपसभापति सचिन अहीर के घर से पिछले 5 साल में 2.7 करोड़ रुपये के कीमती सामान की चोरी हुई है। चोरी गए सामान में 100 ग्राम का सोने का बिस्किट, हीरे जड़े सोने के कंगन, हीरे जड़ी सोने की अंगूठी, पांच हीरे के हार, हीरे की अंगूठियां, चांदी के गिलास, चांदी की थालियां और लोटे शामिल हैं। साथ ही नकद पैसे भी चोरी हुए हैं।

TET पेपर लीक का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

- बिजेंद्र गुप्ता और उसका साथी पटना से गिरफ्तार
- भिवंडी पुलिस की कार्रवाई
- पहले भी कई परीक्षाओं के प्रश्नपत्र कर चुका है लीक

भिवंडी. भिवंडी पुलिस ने TET एग्जाम पेपर लीक के एक महीने बाद आखिरकार मुख्य आरोपी बिजेंद्र गुप्ता और उसके साथी इंद्रजीत सिंह उर्फ पीकू को पटना से गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है. भिवंडी पुलिस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया है कि भिवंडी परिमंडल के पुलिस उपायुक्त डॉ. पवन बनसोड़ ने इस बारे में जानकारी दी है। इस समय सहायक पुलिस आयुक्त डॉ. विजय मराठे, सचिन सांगले मौजूद थे। अब तक भिवंडी पुलिस ने इस जुर्म में 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिसमें बिजेंद्र गुप्ता की पत्नी सुमन कुमारी गुप्ता और सदू मिथुन कुमार सिंह के साथ-साथ प्रिंटिंग प्रेस के कर्मचारी भी शामिल हैं।

पुलिस के मुताबिक, 28 जून को होने वाला महाराष्ट्र TET एग्जाम का पेपर लीक हो गया था और कुछ लोग इसे बेचने के लिए महाराष्ट्र आ रहे थे। एग्जाम से पहले जानकारी मिलने पर पुलिस ने सबसे पहले 27 जून को तीन लोगों को गिरफ्तार किया और कोनगांव पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया। इसके बाद धीरे-धीरे इस जुर्म में शामिल आरोपियों का दायरा बढ़ता गया। इसमें पता चला कि बिजेंद्र गुप्ता इस पेपर लीक का मास्टरमाइंड है। उसके बाद पुलिस ने टेक्निकल एनालिसिस, इंटेलिजेंस और अलग-अलग राज्यों की जांच एजेंसियों के साथ कोऑर्डिनेशन का इस्तेमाल करके बिहार, आगरा, हरियाणा में सर्च ऑपरेशन चलाया था।

आरोपी के पटना, बिहार में होने की जानकारी मिलने के बाद, भिवंडी पुलिस ने बहुत सावधानी बरतते हुए बिजेंद्र कुमार गुप्ता और उसके साथी इंद्रजीत सिंह उर्फ पीकू को गिरफ्तार कर लिया और शनिवार को भिवंडी ले आई। चूंकि इस जुर्म का मुख्य आरोपी बिजेंद्र कुमार गुप्ता फरार है, इसलिए उसे ढूंढना पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती थी।

एक महीने की कड़ी मेहनत के बाद मुख्य आरोपी पुलिस के जाल में फंस गया है। इससे TET एग्जाम पेपर लीक के पीछे की पूरी घटनाओं की चेन, आरोपियों के काम करने के तरीकों और इस जुर्म में कोई और शामिल है या नहीं, इसकी जांच में तेजी आएगी, यह बात डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस डॉ. पवन बंसोड़ ने साफ की है। आरोपी बिजेंद्र कुमार गुप्ता के आगरा के माहिम पटरान प्रिंटिंग हाउस के कर्मचारियों के साथ पैसे के लेन-देन थे। जब भी इस प्रिंटिंग हाउस में छपाई के लिए ज़रूरी कागज़ लाए जाते थे, तो मुख्य आरोपी बिजेंद्र कुमार गुप्ता पैसे के लेन-देन और दूसरे लालच दिखाकर प्रिंटिंग हाउस के कर्मचारियों से कागज़ खरीद लेता था, डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस पवन बनसोड़ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी बताया। पुलिस को अंदाज़ा है कि इस मामले में और भी आरोपी हैं। आरोपियों की सही पहचान, उन्होंने कागज़ कितने में और कहाँ बेचे, इसकी अभी जांच होनी बाकी है और यह जानकारी पूरी जांच के बाद सामने आएगी। इस बीच, दोनों आरोपियों को शाम को भिवंडी कोर्ट में पेश किया गया, और कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 30 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है।

पालघर में भूकंप

- कासा, धुंदलवाड़ी इलाके में 3.1 रिक्टर स्केल के झटके

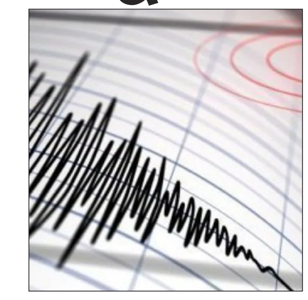

पालघर. पिछले चार दिनों से मुंबई से कुछ दूरी पर बसे पालघर जिले में भारी बारिश हो रही है। हालांकि बारिश का ज़ोर कुछ कम हुआ है, लेकिन कई गहरे इलाकों में पानी जमा हो गया है, जिससे लोगों का आम जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इस बारिश ने जहां जिले में बाढ़ के हालात बना दिए हैं और लोगों को परेशान किया है, वहीं अब भूकंप के झटकों की खबरें भी आई हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक, पालघर जिले में भूकंप के झटके महसूस किए जाने की जानकारी सामने आई है। शनिवार (25 तारीख) सुबह करीब 10:58 बजे कासा, धुंदलवाड़ी इलाके में भूकंप महसूस किया गया। बताया जा रहा है कि रिक्टर स्केल पर 3.1 की तीव्रता से ज़मीन हिली।

इस बीच, पालघर जिले के कई हिस्सों में पहले भी हल्के भूकंप के झटके महसूस किए जा चुके हैं। दहानू और तलासरी तालुका में कासा-धुंदलवाड़ी बेल्ट पिछले कुछ सालों में बहुत सेंसिटिव हो गया है। इस वजह से इस इलाके में लगातार छोटे-बड़े भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। इसी तरह, आज भी यहां लोगों ने साफ भूकंप के झटके महसूस किए। हालांकि, इन लगातार झटकों ने स्थानीय लोगों में डर और चिंता का माहौल बना दिया है।

मुलुंड कालोनी में हुआ पौधरोपण

मुंबई. राष्ट्रवादी मुलुंड तालुका द्वारा मुलुंड कालोनी में पौधरोपण का आयोजन शुक्रवार को किया गया। इस मौके पर लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेकर पौधरोपण किया। पौधरोपण का आयोजन राकांपा मुलुंड तालुका अध्यक्ष कन्हैया लाल गुप्ता द्वारा किया गया था। इस दौरान कन्हैया लाल गुप्ता ने कहा कि वृक्षारोपण करना और पौधों की सुरक्षा करना हर पर्यावरण प्रेमी का कर्तव्य है। इस अवसर पर निलेश कांबले, प्रेम बहादुर यादव, सिद्धार्थ धिवरे, प्रभाकर कांबळे, जयश्री ध्यानीश, पूजा अरख राव और व्यंकटेश गौड़ सहित पर्यावरण प्रेमी उपस्थित थे।

कार-ऑटो की टक्कर से लगी आग, जिंदा जला चालक

मुंबई. उत्तरी मुंबई के मलाड में एक कार की टक्कर एक ऑटो रिक्शा की टक्कर के बाद वाहनों में आग लग गई। कार चालक की जिंदा जलने से मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक घटना मलाड ईस्ट में आईएनएस हमला के पास हुई और आग पर शाम 7:12 बजे काबू पा लिया गया। 24 साल के अब्देल मत्तेन की मौत उस समय हो गई जब उनकी कार एक ऑटो रिक्शा से टकरा गई और उसमें आग लग गई। रिक्शा चालक घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

संपत्ति के लिए टीचर की हत्या, दो गिरफ्तार

- क्राइम ब्रांच कल्याण यूनिट की जांच में खुलासा

कल्याण. कल्याण के चिंचपाड़ा इलाके में वेणुबाई पावशे स्कूल टीचर और LIC एजेंट संगीता मारुति चंदनशिवे (53, निवासी मोहने, अंबिवली, कल्याण) की हत्या करने वाले दिगंबर आव्हाड (48, निवासी आसनगांव) और उसके साथी तुषार रत्नपारखी (52, निवासी मोहने, अंबिवली) को भी गिरफ्तार कर लिया गया है, जिन्होंने उनके डेथ सर्टिफिकेट और प्रॉपर्टी के कागजों पर वारिस के तौर पर साइन करवाए थे। ठाणे क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस अमरसिंह जाधव ने बुधवार को यह जानकारी दी। इन दोनों को भी नासिक रूरल पुलिस को सौंप दिया गया है।

चिंचपाड़ा इलाके की अविवाहित टीचर संगीता 14 जुलाई को घर से यह कहकर निकली थी कि वह LIC के काम से शहापुर जा रही है। जब वह वापस नहीं लौटी और उसके मोबाइल पर भी कॉन्टैक्ट नहीं हो पाया, तो उसके भाई प्रवीण चंदनशिवे ने 15 जुलाई को कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई।

इसे गंभीरता से लेते हुए पुलिस कमिश्नर आशुतोष डुंबरे ने केस को पैरेलल इन्वेस्टिगेशन के लिए क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट, कल्याण की यूनिट 3 को सौंप दिया। जांच के दौरान, 16 जुलाई को संगीता की बॉडी नासिक रोड पर सिन्नर-घोटी रोड पर, नासिक ग्रामीण में MMBT मेडिकल कॉलेज के सामने मिली। इस मामले में वाडीविरहे पुलिस स्टेशन में मर्डर का केस दर्ज किया गया।

नासिक रोड पर शव

कल्याण यूनिट के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर अजीत शिंदे, इंस्पेक्टर महेश काले और असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर गणेश दलवी वगैरह की टीम ने डिप्टी कमिश्नर जाधव और असिस्टेंट कमिश्नर शेखर बागड़े के गाइडेंस में CCTV फुटेज और कॉन्फिडेंशियल जानकारी के आधार पर जांच की। इसमें उन्होंने 22 जुलाई को दिगंबर और तुषार को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने दूसरे साथियों संतोष जाधव और विनोद चंद्रा उर्फ संतोष पांडे के साथ मिलकर संगीता को LIC पॉलिसी लेने के बहाने आरोपी दिगंबर के आसनगांव में किराए के घर पर बुलाया था। वहां उन्होंने संगीता के नाम पर प्रॉपर्टी के कागज़ात पर उसकी मौत के बाद वारिस के तौर पर आव्हाड और रत्नापारखी के नाम पर वसीयत तैयार की। उन्होंने उसे पीटा और उन कागज़ात पर ज़बरदस्ती उसके साइन ले लिए। फिर उन्होंने उसकी नाक और मुंह दबाकर उसे मार डाला। उन्होंने उसकी लाश को कार में डालकर नासिक रोड पर फेंकने की बात भी कबूल की।

आषाढ़ी एकादशी पर SST महाविद्यालय की अनूठी 'वृक्षदिंडी'

- वारकरी परंपरा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश

उल्हासनगर. आषाढ़ी एकादशी के पावन अवसर पर एसएसटी महाविद्यालय ने अपनी स्थापना से निरंतर आयोजित की जा रही पारंपरिक 'वृक्षदिंडी' का आयोजन इस वर्ष भी भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में किया। इस अनूठी पहल के माध्यम से भारतीय संस्कृति, वारकरी परंपरा और पर्यावरण संरक्षण का सुंदर संगम प्रस्तुत करते हुए समाज में हरित चेतना का प्रभावी संदेश दिया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, नागरिकों तथा गणमान्य व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस वर्ष की वृक्षदिंडी में विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन के पुलिस उपनिरीक्षक भाऊसाहेब क्षीरसागर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी भी इस जनजागरूकता अभियान में सहभागी बने।

महाविद्यालय की संजीवनी सांस्कृतिक समिति, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), ग्रीन क्लब तथा डीएलएलई विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान विठ्ठल-रुक्मिणी की प्रतिमा के पूजन एवं आरती से हुआ। इसके पश्चात महाविद्यालय से निकली वृक्षदिंडी नेताजी चौक एवं वीनस चौक मार्ग से होते हुए पुनः महाविद्यालय परिसर में पहुँची। पूरे मार्ग में 'ज्ञानोबा-तुकाराम' के जयघोष, टाल-मृदंग, लेझीम तथा अभंगों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। विद्यार्थियों ने संत तुकाराम महाराज के अमर संदेश 'वृक्षवल्ली आम्हा सोयरे वनचरी' का स्मरण करते हुए 'पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ' तथा 'हरित पर्यावरण, सुरक्षित भविष्य' जैसे नारों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया।

इसके उपरांत महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया तथा विद्यार्थियों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया। वृक्षदिंडी के समापन के बाद सभी उपस्थितजनों को महाप्रसाद वितरित किया गया। महाविद्यालय की स्थापना से प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली यह वृक्षदिंडी आज एसएसटी महाविद्यालय की विशिष्ट पहचान बन चुकी है। शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व, भारतीय संस्कृति के संरक्षण तथा पर्यावरण संवर्धन जैसे जीवन-मूल्यों को विद्यार्थियों में विकसित करने वाला यह उपक्रम उल्हासनगर क्षेत्र के लिए एक प्रेरणादायी उदाहरण बन गया है।

एम्बुलेंस के सरकारी रेट अब हर नागरिक के सामने!

ठाणे. एम्बुलेंस सर्विस में ट्रांसपेरेंसी लाने और नागरिकों के साथ होने वाले फाइनेंशियल फ्रॉड को रोकने के लिए ठाणे आरटीओ ऑफिस और ठाणे सिविल अस्पताल मिलकर शुक्रवार को आरटीओ ऑफिस में ठाणे जिला के प्राइवेट एम्बुलेंस ड्राइवरों और मालिकों को सरकार द्वारा तय किया गया ऑफिशियल टैरिफ बांटेंगे।परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के आदेश के अनुसार, एम्बुलेंस सर्विस के लिए ऑफिशियल टैरिफ तय कर दिया गया है, और हर प्राइवेट एम्बुलेंस में इस टैरिफ को साफ-साफ दिखाना ज़रूरी कर दिया गया है। इससे मरीज़ और उनके रिश्तेदार सर्विस के लिए लगने वाले ऑफिशियल चार्ज को आसानी से समझ पाएंगे, और गलत रेट वसूलने के तरीकों पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। आज शुक्रवार को एम्बुलेंस पर यह टैरिफ लगाने का एक प्रोग्राम रखा गया।आरटीओ मुख्याधिकारी हेमांगिनी पाटिल,सिविल अस्पताल डेंटिस्ट डॉ. अर्चना पवार,मनसे नेता अविनाश जाधव, अभिजीत पानसे, नैनेश पाटनकर,उप आरटीओ अधिकारी रोहित काटकर सहित अन्य लोगों की मौजूदगी रही।

कितना होगा किराया!

सरकार के तय रेट के हिसाब से, मारुति वैन एम्बुलेंस का किराया 25 km या 2 घंटे तक के लिए 700 रु. और उसके बाद 14 रु. प्रति km, टाटा सूमो/मैटाडोर का किराया 840 रु. और उसके बाद 14 रु. प्रति km, टाटा 407 या स्वराज माज़दा चेसिस एम्बुलेंस का किराया 980 रु. और उसके बाद 20 रु. प्रति km, जबकि आईसीयू या एसी एम्बुलेंस का किराया 1,190 रु. और उसके बाद 24 रु. प्रति km है।

भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव पर भड़कीं मलाइका

- फोटो के लिए कुत्ते को बेरहमी से घसीटा गया
- एक्ट्रेस बोलीं- ये बेवकूफ आदमी है कौन, वाहियात

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा हाल ही में भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव पर भड़क गई हैं। इतना ही नहीं एक्ट्रेस उन्हें पहचान भी नहीं सकीं और उनके अस्तित्व पर सवाल खड़े कर दिए।

दरअसल, हाल ही में खेसारी लाल यादव एक इवेंट का हिस्सा बने थे। जैसे ही वो पोज देने के लिए कैमरामैन के सामने पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि जिस जगह बैकग्राउंड बैनर लगा है, ठीक उसी जगह एक आवारा कुत्ता बैठा है। खेसारी लाल यादव ने खुद तो कुत्ते को छुआ तक नहीं, लेकिन वहां मौजूद टीम ने उस कुत्ते को बेरहमी से घसीटते हुए वहां से अलग कर दिया।

खेसारी लाल यादव शांत खड़े देखते रहे और कुत्ते को हटाए जाने के बाद उन्होंने वहां पोज दिए। इवेंट का वीडियो सामने आने के बाद मलाइका भड़क गईं।

मलाइका ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से खेसारी लाल यादव का वो वीडियो शेयर कर भड़कते हुए लिखा है, 'ये लोग हैं कौन और ये आदमी कौन है, जो खड़ा होकर पोज दे रहा है। वाहियात।'

इतना ही नहीं। ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से वीडियो री-शेयर करने के अलावा मलाइका अरोड़ा ने शेयर किए गए वीडियो पर भी दो कमेंट किए। पहले कमेंट में मलाइका ने लिखा, 'वाहियात'। और दूसरे कमेंट में उन्होंने लिखा, 'ये बेवकूफ कौन है, क्या इसके लिए पोज देना इतना जरूरी था।'

मलाइका ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से खेसारी लाल यादव का वो वीडियो शेयर कर भड़कते हुए लिखा है, 'ये लोग हैं कौन और ये आदमी कौन है, जो खड़ा होकर पोज दे रहा है। वाहियात।'
इतना ही नहीं। ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से वीडियो री-शेयर करने के अलावा मलाइका अरोड़ा ने शेयर किए गए वीडियो पर भी दो कमेंट किए। पहले कमेंट में मलाइका ने लिखा, 'वाहियात'। और दूसरे कमेंट में उन्होंने लिखा, 'ये बेवकूफ कौन है, क्या इसके लिए पोज देना इतना जरूरी था।'

विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ के खिलाफ विपक्ष का संयुक्त हल्लाबोल

उल्हासनगर. NIIT पेपर लीक प्रकरण के विरोध में तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर शुक्रवार को पवई चौक स्थित प्रांत अधिकारी (एस.डी.ओ.) कार्यालय के सामने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना, कांग्रेस तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के संयुक्त तत्वावधान में जोरदार आंदोलन किया गया।

आंदोलन के दौरान केंद्र सरकार की शिक्षा व्यवस्था पर तीखा हमला बोलते हुए प्रदर्शनकारियों ने 'मोदी सरकार कमजोर है तभी तो पेपर लीक है', 'शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान कमजोर हैं तभी तो पेपर लीक है', 'मोदी सरकार हमसे डरती है, पुलिस को आगे करती है' तथा 'इंकलाब जिंदाबाद' जैसे नारों से पूरे पवई चौक को गुंजायमान कर दिया।वक्ताओं ने आरोप लगाया कि लगातार हो रही पेपर लीक की घटनाओं से देश के करोड़ों विद्यार्थियों का भविष्य अंधकारमय हो रहा है, लेकिन केंद्र सरकार इस गंभीर मुद्दे पर जवाबदेही तय करने के बजाय आंदोलनरत छात्रों पर कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि छात्रों के साथ न्याय होने तक यह संघर्ष जारी रहेगा।

आंदोलन के उपरांत राष्ट्रपति के नाम तैयार ज्ञापन प्रांत अधिकारी को सौंपकर पेपर लीक प्रकरण की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की गई।इस ऐतिहासिक संयुक्त आंदोलन में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना, कांग्रेस तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, छात्र, युवा एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

संयुक्त आंदोलन का नेतृत्व बंडू दादा देशमुख (कल्याण जिला अध्यक्ष मनसे), शरद पाटिल (कल्याण ज़िला प्रमुख उद्धव बालासाहेब ठाकरे), राजेंद्र शाहू (उपजिलाप्रमुख, शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे), अंजली साल्वे (मनपा विरोधी पक्ष नेता, रोहित सालवे (जिलाध्यक्ष, कांग्रेस), दिलीप व. मिश्रा (महानगर प्रमुख, शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे),महेश तपासे (ठाणे ज़िला अध्यक्ष राकांपा), सीमा आहूजा (जिलाध्यक्ष, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार), शिवाजी जावळे (शहर प्रमुख-पश्चिम), प्रशांत धांडे (शहर प्रमुख-पूर्व), मधुकर साबले, प्रकाश चौधरी (शहर प्रमुख, म्हारल) तथा दिलीप थोरात (अध्यक्ष, कामगार सेना-मनसे) ने किया।

आम सूचना

मैं श्रीमती सुनिता अजयकुमार चौधरी सभी को सूचित कर रही हूं कि ग्रीनलैंड अपार्टमेंट, फ्लैट नं. 205, दूसरा माला, बैरक नं. 40, रुम नं. 235 से 238, गोल मैदान, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 12बीआय017972600) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती पूजा अजय कुमार चौधरी व श्री राहुल अजयकुमार चौधरी के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 10.7.2026 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सुनिता अजयकुमार चौधरी

आम सूचना

मैं श्री विजय मनोहरलाल मीरचंदानी सभी को सूचित कर रहा हूं कि बैरक नं. 147-ए. रुम नं.7, 400 चौ.फुट, उल्हासनगर- 1 (टैक्स नं. 05एआय014357100) उक्त प्रॉपर्टी श्री मोहनलाल होलाराम केवलरामानी के नाम पर है उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 20.7.2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री विजय मनोहरलाल मीरचंदानी

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099